IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्च माध्यमिक स्तर के किषोर बालिकाओं के व्यक्तिगत सामाजिक कारकों एवं सषक्तिकरण का अध्ययन

लेखक नीलम कुमारी
शोधार्थी
शिक्षा विभाग,
महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी,
जयपुर (राजस्थान)

सारांश

वर्तमान समय में महिलाओ ंको पुरूषों के समान अधिकार प्राप्त है परन्तु यदि सही मायने मे ं देखे तो हम पाते है कि क्या महिलायें वास्तव मे ंसषक्त है। आज की बात करे तो हम देखते है कि महिलायें अपन ेआर्थिक सामाजिक एव ंव्यक्तिगत कार्यों मे ंपुरूषो ंकी राय लेती है तथा षिक्षित होते हुए भी पुरूषो ंपर निर्भर है। समाज मे ंभी सक्षम महिला होते हुए भी हीन महससू करती है तथा अधिकारो ंके प्रति जागरूक नहीं है। इस शोध में विभिन्न योजनाओ ंमें नामांकित किशोरियों में क्षमता विकास एवं उनमें सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध में 'एडोलेसेन्ट गर्ल्स इम्पावरमेंट स्केल' का प्रयोग किया गया है। सर्वप्रथम विभिन्न विभागो ंद्वारा सचंालित किशोरी सशक्तिकरण कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की गयी है तत्पश्चात इन कार्यक्रमो ं की सफलता जानने के लिए 200 उत्तरदाताओं से प्रश्नावली के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गयी है प्राप्त जानकारी का सारणीकरण कर सांख्यिकी आधार पर विष्लेषणात्मक मूल्यांकन का कार्य किया गया है।

Keywords: किशोरी सशक्तिकरण, क्रियान्वित कल्याणकारी योजनाएं, क्षमता विकास, सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता

पृष्ठभूमि

विश्व में सबसे ज्यादा युवा हमारे देश में है और उनमें से ज्यादा सखं या किशोरो ं की है जिनमें किशोरियों की संख्या पूरी संख्या का 1/5 है, इसलिए हमें सबसे ज्यादा ध्यान इन्ही के विकास पर देना होगा। विश्व स्वास्थ्य सगं ठन ने 10–19 वर्ष आयु वर्ग की लड़कियों को किशोरी के रूप में परिभाषित किया है, यह वह समय है जब किशोरियों को सबल बनाना हमारे सतत विकास का एक हिस्सा है। किशोरी बालिकाए ं अपने आप की देखभाल में सफल हो सके इसलिए उनमें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जागरूकता का विकास करना जरूरी है ताकि वह अपना स्वस्थ भविष्य निर्माण कर सके। किषोरवस्था मनुष्य के विकास की तीसरी अवस्था है यह बाल्यावस्था के बाद शुरू होकर प्रौढ़ावस्था शुरू होने तक चलती रहती है, परंन्तु जलवायु एवं व्यक्तिगत भेदों के कारण किषोरावस्था की अवधि मे ं कुछ अंतर आता है। यह वह अवस्था है, जिसका छात्रो ं पर तात्कालीन प्रभाव व दीर्घकालीक प्रभाव

दोनो ं ही देखने को मिलता है इस अवधि में शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभाव दोनों ही सबसे अधिक दिखाई देते है। इस दषा मे ं षिक्षकों की भूमिका महत्वपू र्ण हो जाती है, सही मार्गदर्षन एवं दिषा निर्देषन से किषोरों को सही दिषा में जाने का मौका मिलता है। सशक्तिकरण एक व्यापक शब्द है जिसमें अधिकारो ं एवं शक्तियो ं का स्वाभाविक रूप स े समावेश है यह एक ऐसी मानसिक व्यवस्था है जो कुछ विशेष आन्तरिक कुशलताओं और शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक आदि परिस्थितियों पर निर्भर करती है जिसके लिए समाज मे ं आवयश्क कानूनों सुरक्षात्मक प्रविधानो ं और उनके भली–भाँति क्रियान्वयन हेतु सक्षम प्रशासनिक व्यवस्था होती है। भारत के संदर्भ में इसे स्वस्थ आर्थिक विकास, शिक्षा व कानूनी अधिकार देने से देखा जाता है। किशोरी सशक्तिकरण का अर्थ उन्हे ं आर्थिक रूप से स्वावलम्बी, आत्मविश्वासी और अपनी अस्मिता के प्रति सकारात्मक सोच वाला बनाना है ताकि वे कठिन परिस्थितियों का मुकाबला करने में सक्षम हो ं और विकास कार्यों में भी उनकी भागीदारी हो सके। सर्वविदित है कि एक महिला ही राष्ट्र निर्माता होती है वह देश के विकास की गति को तेज करने की क्षमता रखती है। लेकिन सर्वप्रथम इनक े आधार भूत जीवन का विकास आवश्यक है। यह आवश्यक है कि उन्हें पू र्ण पोषाहार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाए, प्रशिक्षण, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, नीतिनिर्माण, निर्णय प्रक्रिया में भी भाग लेने के अवसर दिये जाये ताकि एक स्वस्थ, शिक्षित और जागरूक किशोरी आगे जाकर अपने परिवार समाज व देश के विकास मे ं सक्रिय योगदान दे सके। उसकी नैसर्गिक प्रतिभा कला कौशल सामार्थ्य रूचि जागरूकता को उजागर करने के लिए उसे सशक्तिकरण के माध्यम स े विकास के उचित अवसर प्रदान करना अति आवश्यक हैं। सशक्तिकरण से अभिप्राय आध्यात्मिक, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक शक्ति को व्यक्ति और समुदाय में बढ़ाने से है। इसके फलस्वरूप क्षमतावान, सशक्त, विकासशील और आत्मविश्वास से युक्त महिला समूह निर्मित हो सकता है। महिलाओ ं और लड़कियों के लिए एक वैश्विक अभियान, संयुक्त राष्ट्र महिला शाखा ;न्छष्ट्वड्ढ को दुनिया भर में स्त्रियों की जरूरतों को पूरा करने मे ं तेजी लाने के लिए स्थापित किया गया। सशक्तिकरण के अंतर्गत इस प्रकार की क्षमताओ ं को विकसित करने का लक्ष्य है: •

1	{kerkA
2	• yksdrkaf=d rjhdksa ls nwljksa ds fopkjksa dks cnyus dh {kerkA
3	• ifjorZu vkSj fodkl esa Hkkxhnkjh dh {kerkA
4	• lkewfgd fu.kZ; ysus esa efgykvksa dks tqVkus dh {kerkA
5	• mDr fn'kkvksa esa u dsoy ldkjkRed lksp gksuk gS] ijUrq i;kZIr dkS'ky HkhA

•स्वयं के निर्णय लेने की क्षमता और उसके लिए पर्याप्त ससं ाधनो ं को पहचानने की

किशोरियो ं के लिए चलायी जा रही योजनाए–ं सशक्तिकरण के लिए कई कार्यक्रम व योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं जैसेः– बालिका समृद्धि योजना, निशुल्क बालिका शिक्षा (इंदिरा गांधी इकलौती बालिका छात्रवृत्ति योजना), बालिका प्रोत्साहन योजना, धन लक्ष्मी योजना, किशोरी शक्ति योजना, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय योजना, बटे ी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय पोषाहार मिशन आदि। प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा राजस्थान अन्नपू ार्ा दूध योजना, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, मुख्यमंत्री स्कूटी योजना, पर कार्य किया गया है।

उद्देश्य

1- किशोरीशक्ति योजना मे ं सम्मिलित किशोरियो ं में क्षमता विकास का अवलोकन करना

2- किशोरीशक्ति योजना में सम्मिलित किशोरियों मे ं सामाजिक, कानूनी व राजनैतिक जागरूकता विश्लेषण करना।

3- दोनों योजनाओ ं मे ं सम्मिलित किशोरियों में सशक्तिकरण के स्तर का मूल्यांकन

शोध प्रविधि

यह अध्ययन राजस्थान के जयपुर जिले मे ं किया गया है और यह अध्ययन किशोरी सशक्तिकरण में सरकार द्वारा क्रियान्वित कार्यक्रमो ं की भूमिका का मूल्यांकन पर आधारित है। जिनमे ं उन किशोरियो ं को सम्मिलित किया गया है जो इन योजनाओ ं मे ं नामांकित है, विशेषकर दो योजनाओ ं का चुनाव किया गया है– दोनों योजनाओ ं स े 200 किशोरियों का चयन किया गया है। अध्ययन मे ं 'वर्णात्मक' अध्ययन पद्धति का प्रयोग किया गया है एव ं सोद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि का प्रयोग करते हुये अध्ययन क्षेत्र का चुनाव किया गया है इसके लिए 11 से 18 वर्ष की 200 उत्तरदाता किशोरियों का चयन किया गया है जो कि इन दोनों योजनाओं में नामांकित है। इस अध्ययन में स्ट्रटी फाइड प्री–टेस्टेड ।कवसमेबमदज ळपतस म्उचवूमतउमदज ैबंसम का प्रयोग किया गया है। क्षमता विकास एवं सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता से सम्बन्धित 7 कथन है जिन पर किशोरियों की प्रतिक्रिया ली गयी है। इसके लिए 5 विकल्प निर्धारित है जिनके आधार पर इसका मूल्यांकन (बवतपदह) किया गया है। इसी के आधार पर किशोरियों में सशक्तिकरण के उच्च, मध्यम, और निम्न स्तर का मापन किया गया है। इस अध्ययन मे ं प्राथमिक व द्वितीयक स्रोतो ं का प्रयोग करते हुये शोध से सम्बन्धित जानकारी एकत्र की गयी है, आंकडों का संग्रहण (विश्लेषण) सांख्यिकी विधि द्वारा ज्ञात किया गया है। प्रश्नावली से प्राप्त जानकारी एवं तथ्यों का सारणीकरण किया गया है सशक्तिकरण के दो क्षेत्रों क्षमता विकास एवं सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता से सम्बन्धित विभिन्न कथनों को सारणी सखं या 1.1 से 1.13 तक दर्शाया गया है।

सारणी संख्या 1.1 क्षमता विकास

मैं जानती हूँ कि अपने आर्थिक सशक्तिकरण हेतु में कोई भी व्यवसाय शुरू कर सकती हूँ एव ं उस ं करने की योग्यता रखती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	12	6ण्0:
2. असहमत	45	22ण्5:
3. न सहमत न असहमत	31	15ण्5:
4. सहमत	49	24ण्5:
5. पूर्ण सहमत	63	31ण्5:

इस सारणी में क्षमता विकास से सम्बन्धित इस क्षेत्र के कथन पर 31.5ः किशोरियों ने पूर्ण सहमति व्यक्त की कि व अपने सशक्तिकरण के लिए कोई भी व्यवसाय शुरू करने की योग्यता रखती हूँ तथा 6ः किशोरियों ने इसे पूर्ण असहमति व्यक्त की। सारणी संख्या 1.2 क्षमता विकास

मैं आर्थिक रूप स` सम्पन्न होने हेतु स्थानीय स्तर पर वैकल्पिक रोजगार को शुरू करने की योग्यता रखती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	36	18ण्0ः
2. असहमत	29	14ण्5ः
3. न सहमत न असहमत	37	18ण्5ः
4. सहमत	49	24ण्5ः
5. पूर्ण सहमत	49	24ण्5ः

इस सारणी में क्षमता विकास स` सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहों की किशोरियों की प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमे ंजयपुर की 24.5ः न`पूर्ण सहमति तथा इतनी ही किशोरियों सहमति व्यक्त की कि वह वैकल्पिक रोजगार को शुरू करने की योग्यता रखती है तथा 14.5ः ने इससे असहमति व्यक्त की। सारणी संख्या 1.3 क्षमता विकास

मैं बिना किसी झिझक के सार्वजनिक स्थान पर अपरिचित लोगो ं से बात करने की क्षमता रखती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	16	8ण्0ः
2. असहमत	27	13ण्5ः
3. न सहमत न असहमत	24	12ण्0ः
4. सहमत	57	28ण्5ः
5. पूर्ण सहमत	76	38ण्0ः

इस सारणी मे ं क्षमता निर्माण स` सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहों की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमें जयपुर की 38ः किशोरियों ने पूर्ण सहमति व्यक्त की कि वह बिना किसी झिझक के सार्वजनिक स्थान पर अपरिचित लोगों से बात करने की क्षमता रखती हैं तथा 8ः किशोरियो ं ने इस पर पूर्ण असहमति व्यक्त की। सारणी संख्या 1.4 क्षमता विकास

मैं बिना किसी झिझक के लड़को ं से भी बात कर सकती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	19	9ण्5ः
2. असहमत	22	11ण्0ः
3. न सहमत न असहमत	40	20ण्0ः
4. सहमत	55	27ण्5ः
5. पूर्ण सहमत	64	32ण्0ः

इस सारणी मे क्षमता निर्माण स` सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहों की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमे ंजयपुर की 32ः किशोरियों ने इस पर अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की कि वह बिना किसी झिझक के लडक ों स` भी बात कर लेती है तथा केवल 9.5ः ने इस पर अपनी पूर्ण असहमति व्यक्त की। सारणी संख्या 1.5 क्षमता विकास

मैं बिना किसी झिझक के अपने साथी समूहो ं के अधिकारो ं की चर्चा करने की क्षमता रखती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	18	9ण्0:
2. असहमत	14	7ण्0:
3. न सहमत न असहमत	28	14ण्0:
4. सहमत	54	27ण्0:
5. पूर्ण सहमत	86	43ण्0:

इस सारणी में क्षमता निर्माण स ं सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहो ं द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिस पर जयपुर की 43: किशोरियों ने अपनी पू र्ण सहमति व्यक्त की कि वह बिना किसी झिझक के अपने साथी समूहो ं के अधिकारो ं की चर्चा करने की क्षमता रखती है तथा केवल 7 ने इस बात पर असहमति व्यक्त की।

सारणी संख्या 1.6 क्षमता विकास

मैं बिना किसी झिझक के होने वाले विभिन्न अन्यायो ं के खिलाफ आवाज उठाने की क्षमता रखती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	16	8ण्0:
2. असहमत	23	11ण्5:
3. न सहमत न असहमत	32	16ण्0:
4. सहमत	63	31ण्5:
5. पूर्ण सहमत	66	33ण्0:

इस सारणी मे ं क्षमता निर्माण स ं सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहों की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया है जिस पर जयपुर की 33 किशोरियों ने इस पर पूर्ण सहमति व्यक्त की कि वह बिना किसी झिझक के होने वाले अन्यायो ं के खिलाफ आवाज उठाने की क्षमता रखती है वही 8 ने इससे पूर्ण असहमति व्यक्त की। सारणी संख्या 1.7 क्षमता विकास

अपनी उम्र के अनुसार मैं हर कार्य करने का कौशल, आत्मविश्वास व योग्यता रखती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	8	4ण्0:
2. असहमत	9	4ण्5:
3. न सहमत न असहमत	15	7ण्5:
4. सहमत	67	33ण्5:
5. पूर्ण सहमत	101	50ण्5:

इस सारणी में 50.5 प्रतिशत किशोरियों ने इस कथन पर पूर्ण सहमति व्यक्त की है कि वह अपनी उम्र के अनुसार प्रत्येक कार्य करने का कौशल, आत्मविश्वास व योग्यता रखती हैं जबकि 4 प्रतिशत किशोरियों ने इस पर पू र्ण असहमति व्यक्त की है। सारणी संख्या 1.8 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता

मैं अपने क्षेत्र के पार्षद का नाम जानती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	37	18ण्5:
2. असहमत	29	14ण्5:
3. न सहमत न असहमत	30	15ण्0:
4. सहमत	53	26ण्5:
5. पूर्ण सहमत	51	25ण्5:

इस सारणी मे ं सामाजिक राजनैतिक कानूनी जागरूकता स ं सम्बन्धित कथन पर दोनों समूहों की किशोरियो ं द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमें जयपुर की

25.5 किशोरियों द्वारा सहमति व्यक्त की कि वह अपने क्षेत्र के पार्षद का नाम जानती हैं। सारणी संख्या 1.9 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता

रजिस्टर्ड विवाह क्या होता है, इसकी मुझ ं जानकारी है।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	44	22ण्0:
2. असहमत	31	14ण्5:
3. न सहमत न असहमत	47	23ण्5:
4. सहमत	52	26ण्0:
5. पूर्ण सहमत	26	13ण्0:

इस सारणी में सामाजिक राजनैतिक व कानूनी जागरूकता से सम्बन्धित इस कथन पर दोनो ं समूहो ं की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है। जिसमे ं जयपुर की 26: किशोरियों ने इस पर अपनी सहमति व्यक्त की वही 13: ने इस पर अपनी पू र्ण सहमति व्यक्त की। सारणी संख्या 1.10 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता

उत्तराधिकार क्या होता है उसके क्या कानून हैं मुझ ं जानकारी है।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	28	14ण्0:
2. असहमत	37	18ण्5:
3. न सहमत न असहमत	34	17ण्0:
4. सहमत	63	31ण्5:
5. पूर्ण सहमत	38	19ण्0:

इस सारणी मे ं सामाजिक राजनीतिक व कानूनी जागरूकता स ं सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहो ं की किशोरियों द्वरा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमे ं जयपुर की 31.5 प्रतिशत किशोरियों ने इससे सहमति व्यक्त की कि उन्हें उत्तराधिकार कानून की जानकारी है।

सारणी संख्या 1.11 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता

युवाओ ं मे ं होने वाली नशीली दवाओ ं की लत की जानकारी मुझे है।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	32	16ण्0:
2. असहमत	37	18ण्5:
3. न सहमत न असहमत	38	19ण्0:
4. सहमत	37	18ण्5:
5. पूर्ण सहमत	56	28ण्0:

इस सारणी में सामाजिक राजनैतिक व कानूनी जागरूकता से सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहों की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमें जयपुर की 28 प्रतिशत किशोरियां ं ने इस पर अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की वही 16 प्रतिशत ने इस पर अपनी पू र्ण असहमति व्यक्त की। सारणी संख्या 1.12 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता

मुझे परिवार व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियो ं का पूर्ण ज्ञान है।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	10	5ण्0:
2. असहमत	19	9ण्5:
3. न सहमत न असहमत	16	8ण्0:
4. सहमत	77	38ण्5:
5. पूर्ण सहमत	78	39ण्0:

इस सारणी में सामाजिक राजनैतिक व कानूनी जागरूकता से सम्बन्धित इस कथन पर दोनों समूहो ं की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमे ंजयपुर की 39 प्रतिशत किशोरियो ं ने इस पर अपनी पणू र्ा सहमति व्यक्त की वही केवल 5 प्रतिशत ने अपनी पणू र्ा सहमति व्यक्त की। सारणी संख्या 1.13 सामाजिक, राजनीतिक व कानूनी जागरूकता

मैं आर्थिक रूप स ेसशक्त होने के लिये मुख्य व्यवसाय के अतिरिक्त स्थानीय संसाधनो ं के अनुसार सहायक/विकल्प व्यवसायो ं की भी जानकारी रखती हूँ।	उत्तरदाता त्र 200द्ध	
	उत्तरदाता	प्रतिशत
1. पूर्ण असहमत	36	18ण्0:
2. असहमत	41	20ण्5:
3. न सहमत न असहमत	42	21ण्0:
4. सहमत	37	18ण्5:
5. पूर्ण सहमत	44	22ण्0:

इस सारणी में सामाजिक राजनैतिक व कानून जागरूकता स ेसम्बन्धित इस कथन पर दानो ं समूहो ं की किशोरियों द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया को दर्शाया गया है जिसमे ंजयपुर की 22 प्रतिशत किशोरियों ने इस पर अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की कि वह आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए मुख्य व्यवसाय के अतिरिक्त स्थानीय संसाधनों के अनुसार सहायक विकल्प व्यवसायो ं की भी जानकारी रखती है वही केवल 18 प्रतिशत किशोरियों ने इस पर पणू र्ा असहमति व्यक्त की। उपसंहार किशोरियों के लिए हमारी सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है जो उनके सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं ये योजनाएं किशोरियों में क्षमता निर्माण व सामाजिक राजनीतिक व कानूनी जागरूकता को भी बढ़ा रही है प्रस्तुत अध्ययन में इन योजनाओ ं में सम्मिलित किशोरियों का एडोलेसन्ट गर्ल्स इम्पावरमेंट स्केल द्वारा इनके सशक्तिकरण स्तर का मापन किया गया है जिसमे ंजयपुर की 65.5 प्रतिशत किशोरियों का सशक्तिकरण का स्तर उच्च पाया गया है। 37.5 प्रतिशत किशोरियों का सशक्तिकरण का स्तर मध्यम पाया गया है इससे स्पष्ट होता है कि इन योजनाओ ं मे ं सम्मिलित किशोरियां कानूनी जागरूकता, राजनैतिक जागरूकता व सामाजिक जागरूकता रखती है इसके अतिरिक्त उनमें क्षमता विकास भी पाया गया। किशोरियां आर्थिक सशक्तिकरण के लिए व्यवसायों की जानकारी और उन्हें करने की योग्यता रखती है। उन्हें वैकल्पिक रोजगारों की भी जानकारी है। इन योजनाओ ं मे ं उन्हें वैकल्पिक रोजगारों की जानकारी दी जाती है व प्रशिक्षण भी दिया जाता है जिससे वह भविष्य में अपनी जीविकापार्जन आसानी से कर सकती है। इसके अतिरिक्त इन योजनओ द्वारा उन्हे ंशारीरिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इसकी वजह स ेवे बिना भय के कहीं भी आ जा सकती है। किसी स ेभी बिना झिझक आसानी स ेबात कर सकती है। अपने अधिकारो की जानकारी होने से वह अपने अधिकारों के लिए लड़ सकती हैं। बात कर सकती है। दूसरों के अधिकारों के लिए भी अपना योगदान कर सकती है। अपने तथा दूसरों के प्रति होने वाले अन्यायों के खिलाफ खड़ी हो सकती हैं किशोरियां अपनी आयु के अनुसार प्रत्येक कार्य करने की योग्यता रखती है व कर सकती है। किशोरियो ं को युवावस्था में होने वाली विभिन्न गलत आदतों नशीली दवाओ ं की जानकारी रखती है। जिससे वह अपना व अपने परिवार का बचाव इनसे कर सकती है व समाज को इनके बुरे परिणामों

के प्रति जागरूक कर सकती है। पोषण शिक्षा के द्वारा उन्हे ं अपने को स्वस्थ रखना भी सिखाया जाता है कहा जा सकता है कि ये योजानाए ं किशोरियों का सशक्तिकरण करने में मदद कर रही है और अपने उद्देश्यों में भी सफल हो रही है। सन्दर्भ ग्रन्थ सचू ी–

1- ओलाडिपो एस. ई –साइकोलॉजिकल इम्पावरमेन्ट एन्ड डेवलपमेन्ट

2- करूना 2012– इम्पावरिंग एडोलसन्ट गर्ल्स

3- कुरूक्षेत्र पत्रिका 2006

4- चन्द्रा आर. – वुमेन इम्पावरमेन्ट इन इण्डिया माइलस्टोन्स एण्ड चैलेन्जर्स

5- डब्लू. निक.इन/स्कीम सबला.एचटीएम

6- डब्लू. डब्लू. डब्लू.भारत.जीवोओ.इन

7- डब्लू. डब्लू. डब्लू.यूपी.जीवोओ.इन

8- प्लानिंग कमीशन गर्वमेन्ट ऑफ इण्डिया : रिपोर्ट आफ इण्डिया द वर्किंग ग्रुप ऑन एडोल्सेन्ट फार द टेन्थ फाइव इयर प्लान

9- योजना पत्रिका 2010

10- सुषमा के.– एडोल्सन्ट हेल्थ प्रोग्राम्स इन इण्डिया

11- श्रीवास्तव डी. एन. वर्मा पी. – बाल मनोविज्ञान : बाल विकास 14वां सस्ं करण प्रकाशक विनोद पुस्तक मन्दिर